CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

❐ वर्ष- 21 ❐ अंक-340 ❐ रायपुर, शुक्रवार, 4 जनवरी 2019 ❐ पृष्ठ-8 ❐मूल्य- 2 रुपया •रायपुर • बिलासपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

छग विधानसभा पंचम सत्र

मुख्यमंत्री समेत 22 विधायकों ने छत्तीसगढ़ी में ली शपथ

75 नवनिर्वाचित विधायक सदन में रहे उपस्थित

हाईवे चैनल

रायपुर, 4 जनवरी। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पंचम विधानसभा के प्रथम सत्र की कार्रवाई की शुरूआत प्रोटेम स्पीकर रामपुकार सिंह की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। इसमें 90 विधायकों में सत्ता पक्ष के 67 विधायकों ने ली शपथ। शेष 8 विपक्ष के विधायकों ने शपथ ली। जबकि 15 विपक्षी भाजपा सदस्य शपथ ग्रहण के दौरान सदन में अनुपस्थित रहें। शपथ लेने वाले सदस्यों में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, संसदीय कार्यमंत्री रविन्द्र चौबे सहित 22 विधायकों ने छत्तीसगढ़ी भाषा में शपथ ली। साथ ही बैकुंठपुर की विधायक श्रीमती अंबिका सिंहदेव ने अंग्रेजी भाषा में व विधायक चिंतामणी महाराज ने संस्कृत भाषा में शपथ प्राप्त की। शेष अन्य सत्तापक्ष के सदस्यों ने हिन्दी भाषा में शपथ प्राप्त की।

उल्लेखनीय है कि राज्य विधानसभा के पंचम सत्र में प्रथम सत्र की कार्रवाई में आज 11 बजे प्रोटेन स्पीकर रामपुकार सिंह की अध्यक्षता में आरंभ हुई। कार्रवाई के प्रथम मिनट में दिवंगत सदस्यों के सम्मान में एक मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात पंचम विधानसभा के लिये निर्वाचित सदस्यों की सूची को छग विधानसभा के सचिव ने अध्यक्ष से अनुमति बाद पटल पर रखा। तद्नुपरांत सबसे पहले शपथ प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ी भाषा में प्राप्त की। उसके बाद मंत्री मंत्रिमंडल के सदस्यों क्रमशः टीएस सिंहदेव, ताम्रध्वज साहू, रविन्द्र चौबे, डॉ. प्रेम साय सिंह टेकाम, मो. अकबर, कवासी लखमा, श्रीमती अनिला भेड़िया, जयसिंह अग्रवाल, गुरु रूद्र कुमार, उमेश पटेल ने शपथ प्राप्त की। इन सदस्यों के शपथ लेने के बाद सत्तापक्ष के सदस्य सत्यनारायण शर्मा, धनेंद्र साहू, अमरजीत भगत, देवेंद्र बहादुर सिंह, गुलाब कमरो, डॉ. विनय जायसवाल, श्रीमती अंबिका सिंहदेव, खेलसाय सिंह, पारसनाथ राजवाड़े, बृहस्पत सिंह, चिंतामणी महाराज, डॉ. प्रीतम राम, विनय कुमार भगत, यूडी मिंज, चक्रधर सिंह सिदार, प्रकाश सिंह जीत नायक, श्रीमती उत्तरी गणपत जांगड़े, लालजीत सिंह राठिया, पुरुषोत्तम कंवर, मोहित राम, श्रीमती रश्मि अशीष सिंह, शैलेश पांडे, डॉ. चरणदास महंत, रामकुमार यादव, श्रीमती इंदु बंजारे, किस्मत लाल नंद, द्वारकाधीश यादव, विनोद सेवनलाल चंद्राकर, चंद्रदेव प्रसाद राय, सुश्री शकुंतला साहू, प्रमोद शर्मा, श्रीमती अनिता योगेंद्र शर्मा, विकास उपाध्याय, कुलदीप जुनेजा, अमित्ष शुक्ल, डॉ. लक्ष्मी ध्रुव, श्रीमती संगीता सिन्हा, कुंवर सिंह निषाद, अरुण वोरा, देवेंद्र यादव, आशीष छाबड़ा, गुरु दयालसिंह बंजारे, श्रीमती ममता चंद्राकर, भुनेश्वर शोभाराम बघेल, दलेश्वर साहू, श्रीमती छन्नी चंदू साहू, इंद्र शाह मंडावी, अनुपनाथ, मनोज सिंह मंडावी, शिशुपाल सोढी, संतराम नेताम, मोहन मरकाम, चंदन कश्यप, बघेल लखेश्वर, सुरेशचंद जै, दीपक बैज, विक्रम मंडावी आदि सदस्यों ने शपथ प्राप्त की। 1 घंटा 18 मिनट में उपरोक्त सदस्यों ने शपथ प्राप्त की।

एक विधायक ने संस्कृत व एक ने अंग्रेजी में ली शपथ

शपथ के दौरान अनुपस्थित सदस्य

विधानसभा में शपथ के दौरान विपक्ष के भाजपा सदस्य डॉ. रमन सिंह, बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर, शिवरतन शर्मा, ननकीराम कंवर, धरमलाल कौशिक, रजनीश कुमार सिंह, कृष्णमूर्ति बांधी, सौरभ सिंह, नारायण प्रसाद चंदेल, डमरूधर पुजारी, रंजना दिपेंद्र साहू, भीमा मंडावी के साथ डॉ. शिवकुमार डहरिया आदि सदस्य अनुपस्थित रहें। इसमें भाजपा के 14 और एक कांग्रेस सदस्य ने शपथ के दौरान शपथ नहीं प्राप्त की।

व्हील चेयर पर भाजपा सदस्य मोहले ने ली शपथ

विपक्ष के वरिष्ठ भाजपा सदस्य व पूर्व खाद्य मंत्री पुन्नूलाल मोहले व्हील चेयर पर सदन में पहुंचे और शपथ प्राप्त की। साथ ही छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने भी छत्तीसगढ़ी भाषा में व्हील चेयर पर शपथ प्राप्त की। विधानसभा सचिव आसंदी के निर्देश पर इन सदस्यों को उनके स्थान पर जाकर शपथ लेने के पश्चात शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करवाये।

कवासी लखमा ने शपथ दोहरायी

सत्तापक्ष के सदस्य व केबिनेट मंत्री कवासी लखमा ने विधानसभा सचिव चंद्र शेखर गंगराडे के द्वारा पढ़े गये शपथ पत्र के माध्यम से सदन में शपथ को दोहराकर शपथ प्राप्त की। हालांकि शपथ पत्र पर श्री लखमा ने हस्ताक्षर किये। ऐसा कहा जाता है कि मंत्री लखमा को हिन्दी लिखने व बोलने में परेशानी है।

डॉ. चरणदास महंत सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ प्राप्त करने के बाद विधानसभा अध्यक्ष का निर्वाचन हुआ जिसमें सत्तापक्ष के सदस्य डॉ. चरणदास महंत को सर्वसहमति से अध्यक्ष चुन लिया गया। तत्पश्चात सभी निर्वाचित विधायकों ने निर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएं व बधाई दी। बताया गया है कि गुरुवार के दिन डॉ. महंत ने नामांकन दाखिल किया था उसके बाद से ही यह तय माना जा रहा था कि उनका निर्वाचन निर्विरोध कर लिया जाएगा। सत्तापक्ष की ओर से प्रदेश मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, रविन्द्र चौबे, विपक्ष जनता कांग्रेस की ओर से धरमजीत सिंह ने डॉ. महंत के पक्ष में प्रस्ताव रखा जिसे सत्तापक्ष के सदस्य ताम्रध्वज साहू, प्रेमसाय सिंह टेकाम व जनता कांग्रेस की डॉ. रेणु जोगी ने समर्थन दिया। किंतु प्रस्तावक शिवकुमार डहरिया, प्रस्तावक डॉ. रमन सिंह, नारायण चंदेल सदन में अनुपस्थित रहें।

जनता कांग्रेस के सदस्यों ने ली शपथ

विपक्ष में शामिल जनता कांग्रेस बसपा गठबंधन के सदस्यों ने शपथ ली इसमें जोगी कांग्रेस के सुप्रीमो अजीत जोगी, डॉ. रेणु अजीत जोगी, धरमजीत सिंह, देवव्रत सिंह, प्रमोद शर्मा बसपा के केशवचंद्रा, इंदु बंजारे आदि सदस्यों ने शपथ प्राप्त की।

कौशिक बने नेता प्रतिपक्ष

विधायक दल की बैठक में लिया गया फैसला

हाईवे चैनल

रायपुर, 4 जनवरी। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष का चयन हो गया है। धरमलाल कौशिक छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष होंगे। बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक छत्तीसगढ़ में भाजपा के अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं। ओबीसी वर्ग से हैं। वे विधानसभा अध्यक्ष भी रह चुके हैं। हालांकि उसके बाद वे 2013 में चुनाव हार गये थे, जिसके बाद पार्टी ने उन्हे प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। इस बार वे फिर से बिल्हा से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं।

इससे पहले दावेदारों में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, अजय चंद्राकर, बृजमोहन अग्रवाल, ननकीराम कंवर, धरमलाल कौशिक शामिल थे। हालांकि शुरुआती बैठक में ही डॉ रमन सिंह ने अपनी दावेदारी छोड़ दी थी, उसके बाद बृजमोहन अग्रवाल और ननकीराम कंवर को मजबूत दावेदार बताया जाने लगा। लेकिन धरमलाल कौशिक के नाम पर आखिरकार मुहर लगा दी गयी है।

एकात्म परिसर में आज नेता प्रतिपक्ष का चुनाव करने के लिए बैठक आहूत की थी। नेता प्रतिपक्ष चुनने के लिए पर्यवेक्षक के रूप में दिल्ली से थावरचंद गहलोत और अनिल जैन पहुंचे थे। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने बैठक खत्म होने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि विधायक दल की बैठक में अलग-अलग नेताओं से चर्चा की गई। सभी ने मिलकर तय किया कि धरमलाल कौशिक नेता प्रतिपक्ष होंगे। रमन सिंह ने श्री कौशिक के नाम का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जिसका बृजमोहन अग्रवाल ने समर्थन किया।

बृजमोहन समर्थकों ने की नारेबाजी

एकात्म परिसर में विधायक दल की बैठक खत्म होने के बाद एक प्रेस कान्फ्रेंस ली गई जिसमें नेता प्रतिपक्ष के नाम की घोषणा हुई। नाम की घोषणा होते ही बृजमोहन अग्रवाल

के समर्थकों ने एकात्म परिसर में जमकर नारेबाजी की। समर्थक पहले से ही एकात्म परिसर में मौजूद थे। उन्हें अपेक्षा थी कि बृजमोहन अग्रवाल ही नेता प्रतिपक्ष बनेंगे। किंतु दूसरा नाम सामने आने के बाद कार्यकर्ताओं का गुस्सा नारेबाजी के रूप में देखने को मिला।

अमित शाह ने शिव सेना को दिए कड़े संदेश

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसी)। भाजपा के अध्यक्ष अमित शाह ने महाराष्ट्र में पार्टी सांसदों से कथित तौर पर कहा है कि जरूरत पड़ने पर वे राज्य में लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने के लिए तैयार रहें। शाह ने बुधवार को दिल्ली में महाराष्ट्र के भाजपा सांसदों के साथ हुई एक बैठक में यह संदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट में 10 जनवरी को नई बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि उसके द्वारा गठित एक उपयुक्त पीठ राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि मालिकाना विवाद मामले की सुनवाई की तारीख तय करने के लिए 10 जनवरी को आदेश देगी।

प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई और न्यायमूर्ति एस के कौल की पीठ ने कहा, एक उपयुक्त पीठ मामले की सुनवाई की तारीख तय करने के लिए 10 जनवरी को आगे के आदेश देगी।सुनवाई के लिए मामला सामने आते ही प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामला है और इसपर आदेश पारित किया। अलग-अलग पक्षों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हरिश साल्वे और राजीव धवन को अपनी बात रखने का कोई मौका नहीं मिला।सुप्रीम कोर्ट में आज अयोध्या मामले की सुनवाई 30 सेकेंड भी नहीं चली। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या मामले में तत्काल और रोजाना सुनवाई को लेकर दायर की गई पीआईएल को भी खारिज कर दिया। यह पीआईएल वकील हरीनाथ राम ने नवंबर 2018 को दाखिल की थी। तीन जजों की पीठ इलाहाबाद हाईकोर्ट के सितंबर, 2010 के फैसले के खिलाफ दायर 14 अपीलों पर सुनवाई करेगी। हाईकोर्ट ने इस विवाद में दायर चार दीवानी वाद पर अपने फैसले में 2.77 एकड़ भूमि का सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और राम लला के बीच समान रूप से बंटवारा करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 29 अक्तूबर को कहा था कि यह मामला जनवरी के प्रथम सप्ताह में उचित पीठ के समक्ष सूचीबद्ध होगा, जो इसकी सुनवाई का कार्यक्रम निर्धारित करेगी। बाद में अखिल भारत हिंदू महासभा ने एक अर्जी दायर कर सुनवाई जल्द करने का आग्रह किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा करने से इनकार कर दिया था।

अयोध्या मामला

ब्रेकिंग न्यूज

अजय माकन ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। अजय माकन ने इस्तीफा देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया है। अजय माकन ने ट्वीट कर लिखा है, 2015 विधान सभा के उपरान्त बतौर दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष- पिछले 4 वर्षों से, दिल्ली कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा, कांग्रेस कवर करने वाली मीडिया द्वारा, एवं हमारे नेता राहुल गांधी जी द्वारा, मुझे अपार स्नेह तथा सहयोग मिला है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार, माकन ने गुरुवार शाम को राहुल गांधी से मुलाकात करके इस्तीफा सौंपा, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष ने स्वीकार कर लिया। इससे पहले भी वे स्वास्थ्य की वजह से इस्तीफा देने की बात कर चुके थे लेकिन पार्टी हाई कमांड ने स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। दिल्ली कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि संभव है कि प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित आगामी लोकसभा चुनाव और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए यह पद दिया जा सकता है।

पंखे बनाने की फैक्टरी में कम्प्रेशर फटने से धमाका, 7 की मौत, 8 घायल

दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में बड़ा हादसा हुआ है। पश्चिम दिल्ली के मोती नगर इलाके में गुरुवार रात पंखे बनाने की एक फैक्टरी में जबरदस्त ब्लॉस्ट हुआ। हादसे में बिल्डिंग का बड़ा हिस्सा जमींदोज हो गया। धमाके आवाज सुनते ही आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने इमारत के मलबे से 10 लोगों को निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 8 लोग घायल हैं।

धमाके की खबर मिलते ही पुलिस के अलावा दमकल की छह गाडियां, कैट्स एंबुलेंस, आपदा प्रबंधन और सिविल डिफेंस का राहत दल मौके पर पहुंच गया। मलबे में कई और लोगों के दबे होने की आशंका है। देर रात तक बचाव कार्य जारी था। खबर लिखे जाने तक मृतकों की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। मृतकों में एक नाबालिग भी बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक मोती नगर इलाके सुदर्शन पार्क में डब्ल्यूजेड-1 में पंखे बनाने की भूतल समेत एक मंजिला फैक्टरी है। यहां करीब 15 से 20 लोग काम करते हैं। बृहस्पतिवार रात करीब 8.47 बजे अचानक फैक्टरी में एक तेज धमाका हुआ और फैक्टरी का एक बड़ा हिस्सा गिर गया। खबर मिलते ही स्थानीय लोग मदद को भागे। लोगों ने तुरंत मलबे से 10 लोगों को बाहर निकालकर डीडीयू व अन्य अस्पताल भेजा। इधर देर रात को निगम का दस्ता भी जेसीबी मशीन लेकर मौके पर पहुंच गया। घटना स्थल पर मलबा हटाने का काम जारी थी।

नए साल का पहला सूर्यग्रहण 6 को

दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसी)। साल का पहला ग्रहण साल के पहले सप्ताह में यानी 6 जनवरी को ही आंशिक सूर्यग्रहण के रूप में लगने वाला है। जबकि दूसरा चंद्रग्रहण इसी महीने 21 तारीख को पड़ेगा। बता दें कि इन पांच ग्रहणों में से भारत में सिर्फ दो ग्रहण ही दिखाई देंगे। भारतीय समयानुसार ग्रहण सुबह 5 बजकर 04 मिनट पर शुरू होगा और सुबह 9 बजकर 18 मिनट पर खत्म हो जाएगा। रविवार 6 जनवरी को वैसे तो आंशिक सूर्य ग्रहण लग रहा है। हालांकि यह भारत में नहीं दिखेगा। यह ग्रहण उत्तर-पूर्वी एशिया और उत्तरी पैसिफिक देशों में दिखाई देगा। जापान, कोरिया, मंगोलिया, ताइवान, रूस व चीन के पूर्वी छोर के अलावा अमेरिका के पश्चिमी हिस्से में देखा जा सकेगा। नासा सहित सितारों पर शोध करने वाली कई एजेंसियां इसके लिए खास तरह की तैयारी कर रही हैं।

4,000 वैज्ञानिकों की सूची में जगह बनाने में कामयाब हुए 10 भारतीय

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसी)। भारत ने कई प्रतिष्ठित विज्ञान और सामाजिक विज्ञान संस्थान खोले हुए हैं। जिसमें आईआईएससी, आईआईटीएस, टीआईएफआर, जेएनयू और टीआईएसएस शामिल हैं। इसके बावजूद दुनिया के बेहतरीन एक प्रतिशत शोधों की सूची में भारत के महज 10 लोग ही अपना नाम दर्ज कराने में सफल हुए हैं। 10 भारतीयों में से कुछ देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में से नहीं हैं।

सूची में दुनिया के 4,000 प्रभावशाली शोधकर्ताओं को शामिल किया गया है। जिसे क्लैरिवेट एनालिटिक्स ने जारी किया है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक और प्रधानमंत्री के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार परिषद के सौएनआर राव का नाम इस सूची में शामिल है। सूची में दर्ज 80 प्रतिशत से ज्यादा नाम केवल 10 देशों से हैं। यह सूची 60 देशों को कवर करती है।

उल्लेखनीय है कि 70 प्रतिशत केवल पांच देशों से हैं। यदि संस्थानों की बात करें तो सूची में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के सबसे ज्यादा 186 प्रतिनिधि हैं। जहां सूची में भारत का प्रतिनिधित्व नगण्य के समान है। वहीं चीन 482 नामों के साथ सूची में तीसरे नंबर पर काबिज है। सूची में अमेरिका के 2,639 नाम और ब्रिटेन के 546 नाम शामिल हैं। जेएनयू के दिनेश मोहन का नाम सूची में शामिल है। उनका कहना है कि पिछले साल तक पांच से भी कम भारतीयों के नाम सूची में शामिल होते थे। उन्होंने कहा, %इस साल उन्होंने क्रॉस फील्ड नाम की अतिरिक्त श्रेणी को शामिल किया है। जिसकी वजह से यह संख्या 10 हुई है। राव ने कहा कि भारत को अपने शोध की गुणवत्ता के साथ ही उद्धरणों को बेहतर बनाने की मात्रा में भी सुधार करना होगा। राव ने कहा, लगभग 15 साल पहले चीन और भारत एक ही स्तर पर थे। लेकिन चीन दुनिया के विज्ञान में 15-16 प्रतिशत तक का योगदान देता है जबकि हमारा योगदान केवल 3-4 प्रतिशत होता है।

सीएनआर राव का नाम इस सूची में शामिल

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, आज से नई सरकार का विधानसभा में प्रवेश हो गया है।

चुहिया- हां जी, अब आगे हो-हल्ला समझ आएगा।

लोकपाल की नियुक्ति में देरी से सुप्रीम कोर्ट नाराज, केंद्र सरकार से हलफनामा देने को कहा

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह सितंबर 2018 से अभी तक लोकपाल की खोज समिति (सर्च कमिटी) के गठन को लेकर उठाए गए कदमों पर हलफनामा सौंपे। शीर्ष कोर्ट ने सरकार को 17 जनवरी को शपथ पत्र पेश करने के लिए कहा है। कोर्ट ने सवाल उठाया कि सर्च कमिटी में देरी क्यों हो रही है?

इससे पहले सितंबर 2018 में केंद्र सरकार ने लोकपाल अध्यक्ष और उसके सदस्यों के नामों की सिफारिश करने के लिए आठ सदस्यीय एक समिति बनाई थी। इस समिति का काम लोकपाल के उम्मीदवारों की तलाश कर फिर उनके नाम को सरकार के पास भेजना था। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं।

कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की पूर्व अध्यक्ष अरुंधति भट्टाचार्य, प्रसार भारती के अध्यक्ष ए सूर्य प्रकाश और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) प्रमुख एएस किरन कुमार खोज समिति के सदस्य हैं। उनके अलावा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति सखा राम सिंह यादव, गुजरात पुलिस के पूर्व प्रमुख शब्बीर हुसैन एस खंडवावाला, राजस्थान कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ललित के. पवार और पूर्व सॉलीसीटर जनरल रंजीत कुमार समिति के अन्य सदस्यों में शामिल हैं। आठ सदस्यीय खोज समिति को लोकपाल और इसके सदस्यों की नियुक्ति के लिए नामों की एक सूची की सिफारिश करने का अधिकार दिया गया है।

CMYK